an>

Title:Need to accord Central university status to Jamnagar Ayurvedic University.

डॉ. भारतीबेन डी. श्याल (भावनगर) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में मेरे गुजरात और पूरे देश में आयुर्वेद में रूचि रखने वाले लोगों की जो इच्छा है, उसे सदन में रखने का मौका दिया।

आदरणीय अध्यक्षा जी, हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद केवल मातृ चिकित्सा पद्धति ही नहीं है, बल्कि निरोगी जीवन जीने की कला इसमें छुपी हुई है। हमारे चार पुरुÂ○ार्थ--धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति भी आयुर्वेद से होती है। भारत की यह दुर्लभ संस्कृति है, जो हमें विरासत में मिली है। हमारे लिए गर्व की बात है कि आयुर्वेद को अब विदेशों में भी लोग अपनाने लगे हैं।

आदरणीय अध्यक्षा जी, हमारे गुजरात के जामनगर में स्थित गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जहां पर देश-विदेश के छात्र आयुर्वेद की शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। वर्तमान में भी 17 देशों के विद्यार्थी यहां पर आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा ले रहे हैं और 65 विभिन्न देशों के विद्यार्थी आयुर्वेदाचार्य करके जा चुके हैं। यह एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसमें चिकित्सा के तीनों विभाग को दीक्षा दी जाती है और इसी विश्वविद्यालय में ई-लर्निंग की सुविधा भी प्रारंभ की जा चुकी है। गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसमें कम समय में दस विभिन्न प्रकार के कोर्सेज देश-विदेश के छात्रों को करवाये जाते हैं। ये देश का ऐसा विश्वविद्यालय है, जहां पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग एवं रिसर्च इन आयुर्वेद के साथ-साथ फार्मेकोलॉजी लेबोरिटी विद एनीमल हाउस के अतिरिक्त इस विश्वविद्यालय में दूसरे अन्य कोर्सेज जैसे एम.फार्म (आयु.), एम.एस.सी. (मेडिसिनल प्लांट्स) और पी.एच.डी. इन आयुर्वेद फार्मास्यूटिकल साइंस जैसे बहुत से कोर्सेज किये जाते हैं। इस विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट अस्पताल में 300 बेड्स हैं जिसमें प्रतिदिन लगभग 1500 मरीजों को देखा जाता है।

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी डिमांड रखिये।

डॉ. भारतीबेन डी. श्याल : इसी विश्वविद्यालय की फार्मेसी में लगभग तीन करोड़ की औÂ○ाधियां प्रतिवÂ○ान तैयार करवाई जाती हैं। गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय गुजरात व आसपास के राज्यों की जरूरत बन चुका है, इसलिए इसको बढ़ावा व प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

आदरणीय अध्यक्षा जी, मैंने स्वयं इस विश्वविद्यालय से आयुर्वेदाचार्य किया है और ये मेरा गौरव रहा है। मैं आपके माध्यम से माननीय संबंधित मंत्री जी से अनुरोध करती हूं कि गुजरात के इस एकमात्र आयुर्वेद विश्वविद्यालय को सैंट्रल यूनीवर्सिटी का दर्जा दिया जाये और विशेÂ○ा पैकेज दिया जाये। मैं आपकी आभारी रहूंगी। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

डा. बंशीलाल महतो,

श्री रामसिंह राठवा,

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

श्री पी.पी. चौधरी को. डॉ. भारतीबेन डी. श्याल द्वारा उठाए गए विÂ○ाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।